**भारत सरकार**

**स्‍वास्‍थ्‍य और परिवार कल्‍याण मंत्रालय**

**स्‍वास्‍थ्‍य और परिवार कल्‍याण विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 935**

**28 जुलाई, 2015 को पूछे जाने वाले प्रश्‍न का उत्तर**

**तपेदिक का निदान करने के लिए एक्सपर्ट मोलिक्युलर जांच**

**935. डा॰ के॰पी॰ रामालिंगमः**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि नवीनतम अध्ययन में यह पाया गया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधओं में तपेदिक के लिए आरम्भिक नैदानिक जांच के रूप में एक्सपर्ट मोलिक्युलर जांच करने से तपेदिक के पंजीकृत होने वाले मामले 16 प्रतिशत बढ गए हैं तथा बैक्टिरियोलाजीकली 39 प्रतिशत तक तपेदिक की पुष्टि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रिफेम्पसिन रिजिस्टन्ट तपेदिक के मामले पांच गुणा बढ़ गए हैं; और

(ग) क्या यह भी सच है कि यह अध्ययन 18 तपेदिक कार्यक्रम इकाइयों में किया गया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**स्‍वास्‍थ्‍य और परिवार कल्‍याण राज्‍य मंत्री (श्री श्रीपाद येसो नाईक)**

(क) से (ग): भारत में फेफड़ों के तपेदिक की पहचान और फेफड़ों के तपेदिक के रिफेम्‍पसिन प्रतिरोधी मामलों पर अपफ्रंट एक्‍सपर्ट एमटीबी/ आरआईएफ के प्रभाव के मूल्‍यांकन के लिए 18 तपेदिक इकाईयों में किए गए अध्‍ययन में यह पाया गया था कि सार्वजनिक स्‍वास्‍थ्‍य सुविधा केंद्रों में तपेदिक के आरंभिक नैदानिक परीक्षण के रूप में एक्‍सपर्ट एमटीबी/ आरआईएफ शुरू करने से सभी बैक्‍टीरियोलोजीकली पुष्टि किए गए तपेदिक के मामलों और रिफेम्‍पीसिन प्रतिरोधी तपेदिक मामलों की सूचना की दरों में काफी वृद्धि हुई है।

\*\*\*\*\*